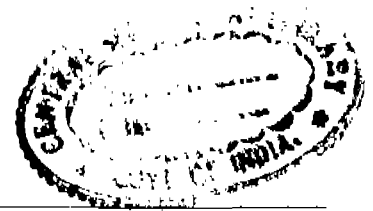


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 77]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 27, 1996/चैत्र 7, 1918

No. 77]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 27, 1996/CHAITRA 7, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 355 (पी. एन.)/92—97

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1996

विषय : निर्यात एवं आयात नीति, 1992—97 करेंसी पेपर (वाटर-मार्क बैंक नोट पेपर) के आयात से संबद्ध नीति ।

फाइल संख्या आई.पी.सी./4/5(330)/92—97.—करेंसी पेपर (वाटर-मार्क बैंक नोट पेपर) के आयात से संबंधित सार्वजनिक सूचना संख्या 112 (पी. एन.)/92—97 दिनांक 15 मार्च, 1993 और 302 (पी. एन.)/92—97 दिनांक 28 जुलाई, 1995 की ओर वाणिज्य मंत्रालय का ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

2. ऊपर बताए गए सार्वजनिक सूचना संख्या 302(पी. एन.)/92—97 दिनांक 28-7-95 के पैराग्राफ 2 की सातवीं पंक्ति में, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड, सालबोनी के बाद निम्नलिखित नोट प्रिंटिंग प्रेस जोड़ दी जाएगी :—

“ भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई । ”

3. सार्वजनिक सूचना संख्या 112 (पी. एन.)/92—97 दिनांक 15 मार्च, 1993 में दी गई है, अन्य शर्तें बनी रहेंगी ।

4. इसे लोक हित में जारी किया जाता है ।

श्यामल घोष, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 355(PN)/92—97

New Delhi, the 27th March, 1996

Subject : Export and Import Policy, 1992--97—Policy relating to the import of Currency Paper (Water-mark Bank Note Paper).

File No. IPC/4/5(330)/92—97.—Attention is invited to the Ministry of Commerce Public Notice Nos. 112(PN)/92—97 dated the 15th March, 1993 and 302(PN)/92—97 dated 28th July, 1995 regarding import of Currency Paper (Water-mark Bank Note Paper).

2. In the seventh line of paragraph 2 of the above referred Public Notice No. 302(PN)/92—97 dated 28-7-1995, the following one Note Printing Press may also be added after Bharatiya Reserve Bank Note Mudran Pvt. Ltd., Salboni :—

"Bharatiya Reserve Bank Note Mudran Pvt. Ltd., Mumbai."

3. The other terms and conditions as set out in Public Notice No. 112(PN)/92—97 dated the 15th March, 1993 shall remain the same.

4. This issues in public interest.

SHYAMAL GHOSH, Director General of Foreign Trade